शोध मंथन, 2017 ISSN: (P): 0976-5255, (e) : 2454-339X, Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)
UGC Aproved Journal No. 40908

समेकित बाल विकास सेवा योजना के अन्तर्गत वृद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडीकार्यकर्त्री की जानकारी

आँचल शर्मा*, डॉ0 कल्पना शर्मा**

*असि0 प्रोफे0, **रीडर एवं विभागाध्यक्षा, गृहविज्ञान विभाग, गिन्नी देवी मोदी कन्या स्नात्कोत्तर, महाविद्यालय मोदीनगर, गा0बाद।

सारांश

जीवन के प्रथम पाँच वर्ष शिशु की उत्तर जीविका के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इनमें से भी प्रथम तीन वर्षों के दौरान प्राप्त हुआ शारीरिक व मानसिक विकास आगे के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अतः यह आवश्यक हैं कि बच्चें का इस दौरान पूर्ण शरीरिक व मानसिक विकास सुनिश्चित किया जायें। बच्चें की वजन वृद्धि उनके शारीरिक विकास का एक महत्वपूर्ण सूचक हैं, अतः उसके शारीरिक विकास की निगरानी के लिए आवश्यक है कि उनकी वजन वृद्धि की निगरानी रखी जायें। वृद्धि निगरानी में समेकित बाल विकास सेवा योजना का विशेष योगदान हैं। समेकित बाल विकास सेवा योजना आंगनवाडी केन्द्रों के एक विशाल नेटवर्कों के द्वारा अपनी सेवायें प्रदान करती हैं। आंगनवाडी केन्द्र आंगनवाडी कार्यकर्त्री के द्वारा चलाया जाता हैं। यह केन्द्र आंगनवाडी कार्यकर्त्री के माध्यम से पूरक पोषाहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा तथा संदर्भ सेवायें एकीकृत रूप में प्रदान करता हैं। स्वास्थ्य जाँच के अन्तर्गत वृद्धि निगरानी करना आंगनवाडी कार्यकर्त्री का एक महत्वपूर्ण कार्य हैं। जिसके लिये उसे पर्याप्त प्रशिक्षित किया जाता हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन वृद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडीकार्यकर्त्री की जानकारी का आंकलन करने के लिए किया गया हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श प्रतिचयन विधि का प्रयोग कर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के शहरी क्षेत्र की 50 आंगवाडीकार्यकर्त्री का चयन किया गया हैं। चयनित प्रतिदर्शों पर स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची का प्रशासन किया गया हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन के निष्कर्षों से यह ज्ञात होता हैं कि वृद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडीकार्यकर्त्री को पर्याप्त जानकारी हैं।

महत्वपूर्ण शब्द बाल विकास सेवा योजना, वषद्धि निगरानी , आंगवाडीकार्यकर्त्री

शोध पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार हैः

आँचल शर्मा, डॉ0 कल्पना शर्मा,,
''समेकित बाल विकास सेवा योजना के अन्तर्गत वृद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडीकार्यकर्त्री की जानकारी'',
शोध मंथन जून 2017,
पेज सं0 57–63
http://anubooks.com/?page_id=2030
Artcile No.10(SM417)

परिचय

किसी राष्ट्र की जनसंख्या का स्वास्थ्य एवं पोषणीय स्थिति उस देश के विकास का सूचक होती हैं। यूं तो भारत विश्व की तेज गति से बढती अर्थव्यवस्था वाले देशों में गिना जा रहा हैं, किन्तु दूसरी ओर यह विश्व में सबसे ज्यादा कुपोषण से ग्रस्त देश भी हैं। देश की 15 फीसदी कुपोषित जनसंख्या के साथ भारत ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2016 की 118 देशों की सूची में 97 वें पायदान पर खडा हैं। हाल के डाटा के अनुसार, भारत की 15 फीसदी जनसंख्या को उचित मात्रा और उचित गुणवत्ता वाला भोजन नही मिल रहा हैं। इस रिर्पोट के अनुसार भारत अभी भी भुखमरी की गम्भीर स्थिति में बना हुआ हैं।

अपर्याप्त भोजन करने ओर कुपोषण मे गहन सम्बंध है–

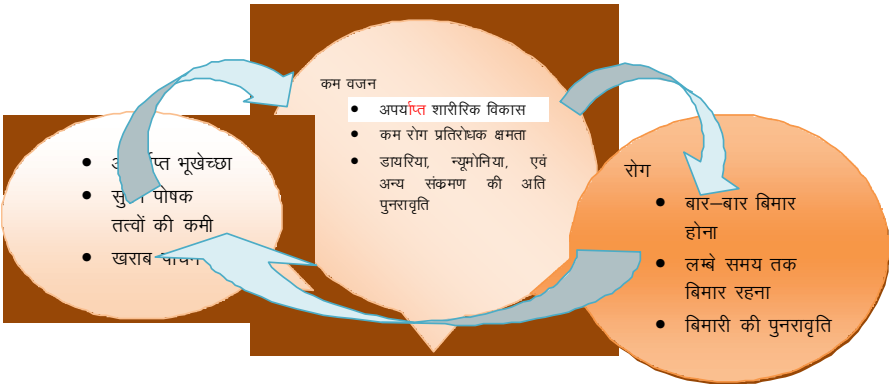

प्रस्तुत चित्र अपर्याप्त भोजन के दुष्परिणामों का स्पष्ट सहसम्बंध दर्शाता है जिसकी जडें भारत में अपनी जगह बनाये हुए है। अत; समेकित बाल विकास सेवा (आई0सी0डी0एस0) योजना का प्रारम्भ 2 अक्टूबर, 1975 को पूरे भारत वर्श में बच्चों के सवांगीण विकास एवं उनकी मूलभूत आवष्यकताओं की पूर्ति हेतु किया गया। प्रदेष के 33 विकास खण्डों में गर्भवती/धात्री माताओं एवं बच्चों आदि को कुपोशण से बचाने के लिये, उनके समन्वित विकास के लिये भारत सरकार के सहयोग से यह परियोजना प्रारम्भ की गयी। यह कार्यक्रम बच्चों के पोशण से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं के लिए एक नोडल कार्यक्रम है। यह मुख्यतः स्वास्थ्य एवं पोशण सम्बन्धी विभिन्न घटकों–वृद्धि निगरानी, अनुपूरक पोशाहार, षालापूर्व षिक्षा, पोशण जांच एवं सन्दर्भ सेवाओं पर केन्द्रित है।

समेंकित बाल विकास सेवा योजना को सफल संचालन के लिए यह आवश्यक हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री को योजना के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं का पूर्ण ज्ञान हो ताकि सेवाओं को भली भाँति लाभाथियों तक पहुंचाया जा सकें और भारत को कुपोषण से बचाया जा सकें। आंगनवाडी कार्यकर्त्री को अन्य सेवाओं के साथ–साथ वषद्धि निगरानी का ज्ञान होना अति आवश्यक हैं।

समस्या कथन–

समेंकित बाल विकास सेवा योजना के अन्तर्गत वषद्धि निगरानी के प्रति आंगनवाडी कार्यकर्त्री की जानकारी।

शोध का परिसीमन–

प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश राज्य के जिला गाजियाबाद के शहरी क्षेत्र के आंगनवाडी कार्यकर्त्री तक सीमित हैं।

शोध विधि –

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया ह्रै।

प्रतिदर्श –

प्रतिदर्श के रूप में जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्र की 50 आंगनवाडीकार्यकर्त्रियो का चयन किया गया हैं।

प्रतिचयन विधि–

प्रतिदर्श के चयन के लिये स्तरीकष्त यादषच्छिक प्रतिचयन प्रविधि का प्रयोग किया गया हैं।

उपकरण–

शोध उपकरण हेतु स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया हैं।

आंकडों का प्रस्तुतीकरण एवं व्याख्या–

पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची को चयनित 50 आंगनवाडी कार्यकर्त्री पर प्रशासित किया तथा प्राप्त परिणामों के अध्ययन के लिए प्रतिशत एवं मध्यमान सांख्यिकीय प्रविधि का प्रयोग किया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या –

समेकित बाल विकास सेवा योजना के अन्तर्गत वषद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडी कार्यकर्त्री की जानकारी का आंकलन निम्नलिखित पाँच आधारों पर किया गया हैं–

1 वजन लेने के सही तरीके की जानकारी
2 वषद्धि निगरानी चार्ट को सही भरने की जानकारी
3 निष्कर्षों की सही व्याख्या की जानकारी
4 माँ/परिवार के सदस्यों को उचित परार्मश देने की जानकारी
5 वृद्धि निगरानी के प्रति स्वयं की भूमिका की जानकारी

वजन लेने के सही तरीके की जानकारी

क्र0 सं0	संकेतक	सही उत्तर की संख्या	सही उत्तर का प्रतिशत
	वजन लेने से पूर्व मशीन की सुई शून्य पर होती हैं।	50	100
2	मशीन की ऊंचाई आंखों की सीध में रखी जाती हैं।	38	76
3	वजन लेते समय बच्चा किसी भी चीज का सहारा न ले।	50	100
4	जब बच्चा शांत हो ओर सुई हिलना बन्द कर दे तब वजन को पढा जाता हैं।	50	100

मध्यमान प्राप्तांक= 376 / 4 = 94

उपर्युक्त तालिका के आँकडें यह दर्शाते हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री बालकों का सही वजन लेने की 94 प्रतिशत जानकारी रखती हैं।

वृद्धि निगरानी चार्ट को सही भरने की जानकारी

क्र0 सं0	संकेतक	सही उत्तर की संख्या	सही उत्तर का प्रतिशत
1	सर्वप्रथम रजिस्टर में बच्चें से सम्बंधित प्रविष्ठियों को भरा जाता हैं।	50	100
2	जन्म के समय से ही बच्चे का वजन लिया जाता हैं।	50	100
3	तीन साल तक प्रति माह बच्चे का वजन लिया जाता हैं।	50	100
4	लडके व लडकी के लिए अलग अलग रंग के चार्ट का प्रयोग किया जाता हैं।	50	100
5	लडकी के लिए गुलाबी रंग के चार्ट का प्रयोग का प्रयोग किया जाता हैं।	50	100
6	वर्ष ओर माह को ध्यान में रखते हुए वजन अंकित किया जाता हैं।	50	100
7	दो माह में अंकित वजन के बिंदुओं को वक्र रेखा द्वारा जोडा जाता हैं।	50	100
8	छूटे हुए वजन के माह को बिंदू रेखा द्वारा मिलाया जाता हैं।	41	82

मध्यमान प्राप्तांक= 376 / 4 = 94

उपर्युक्त तालिका के आँकडें यह दर्शाते हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री बालकों का सही वजन लेने की 94 प्रतिशत जानकारी रखती हैं।

वृद्धि निगरानी चार्ट को सही भरने की जानकारी

क्र0 सं0	संकेतक	सही उत्तर की संख्या	सही उत्तर का प्रतिशत
1	वजन रेखा की स्थिति बच्चे की वृद्धि की दशा को बताती हैं।	50	100
2	वजन रेखा का ऊपर की तरफ होना अर्थात् बच्चे के वजन में वृद्धि हो रही होना हैं।	50	100
3	वजन रेखा का नीचे की तरफ होना अर्थात् बच्चे के वजन में कमी हो रही होना हैं।	50	100
4	वजन रेखा का सीधा होना अर्थात् बच्चे का वजन पहले जैसा होना हैं।	50	100
5	वृद्धि रेखा के तीन रंग स्वास्थ्य की तीन स्थितियों को दर्शाते हैं हरा रंग – स्वस्थ पीला रंग – कुपोषण नारंगी रंग – अत्याधिक कुपोषण	50	100
6	वृद्धि चार्ट भावी स्थिति के प्रति सचेत करता हैं।	38	76
7	वृद्धि चार्ट कुपोषण के स्तर को पहचानकर बच्चे को उचित पोषण देने व स्वास्थ लाभ पहुचाने में सहायता करता हैं।	50	100
8	वजन रेखा खतरे की स्थिति में आने पर बच्चे को स्वास्थ केन्द्र के लिए रेफर किया जाता हैं।	35	70

मध्यमान प्राप्तांक=746 / 8= 93.25

उपर्युक्त तालिका के आँकडें यह दर्शाते हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री निष्कर्षों की सही व्याख्या की 93.25 प्रतिशत सही जानकारी रखती हैं।

माँ/परिवार के सदस्यों को उचित परार्मश देने की जानकारी

क्र0 सं0	संकेतक	सही उत्तर की संख्या	सही उत्तर का प्रतिशत
1	बच्चे की माँ/परिवार के सदस्यों को वृद्धि चार्ट समझाया जाता हैं तथा चर्चा की जाती है।	**50**	100
2	यदि वजन वृद्धि जारी है तब भी बच्चे की माँ/परिवार के सदस्यों को अच्छा पोषण देते रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं ओर तारीफ की जाती है।	**50**	100
3	बच्चे का वजन अगर नहीं बढ़ा या कम बढ़ा हैं तो माँ/परिवार सदस्यों की सहायता से उसके कारणों की जाँच की जाती है।	**43**	86
4	कुपोषित बच्चे को स्वास्थ्य केन्द्र ले जाने की सलाह दी जाती है।	**33**	66
5	माँ/परिवार के सदस्यों को घर में उचित पोषण व देखभाल की सलाह दी जाती है।	**35**	70

मध्यमान प्राप्तांक=422/5=84.4

उपर्युक्त तालिका के आँकडें यह दर्शाते हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री को माँ/परिवार के सदस्यों को उचित परार्मश देने की जानकारी 84.4 प्रतिशत है।

वृद्धि निगरानी के प्रति स्वयं की भूमिका की जानकारी

क्र0	संकेतक	सही उत्तर की संख्या	सही उत्तर का प्रतिशत
1	आंगनवाडी कार्यकर्त्री यह सुनिश्चित करती है कि उसके क्षेत्र के हर 0 से 3 वर्ष के बच्चे के पास वृद्धि चार्ट हो।	50	100
2	प्रत्येक शनिवार को पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के दिन 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों का वजन लेना।	50	100
3	जिन बच्चों का पूर्व माह में वजन लेना छूट गया हो उनका विशेष ध्यान रखना।	50	100
4	प्रत्येक 0 से 3 वर्ष के बच्चे की वृद्धि को वृद्धि चार्ट के माध्यम से परीक्षण करना।	50	100
5	परीक्षण कर बच्चे की माता से चर्चा करना एवं बच्चे की स्थिति के अनुसार उचित परामर्श देना।	50	100
6	कुपोषण की स्थिति में माँ/ परिवार के सदस्यों को उचित पोषण की शिक्षा देना।	50	100
7	कुपोषण की स्थिति में बच्चे को दोगुना पोषाहार प्रदान करना।	50	100
8	कुपोषण की स्थिति वाले बालको की जानकारी पर्यवेक्षक, ए.एन.एम. तथा एएल.एच.वी. को अवश्य देना।	50	100
9	पर्यवेक्षक, ए.एन.एम. तथा ए.एल.एच.वी. को उपयुक्त देखभाल तथा आहार के महत्व का ज्ञान कराने हेतु परिवार भ्रमण पर ले जाना।	50	100

मध्यमान प्राप्तांक= 900/9 =100

उपर्युक्त तालिका के आँकडें यह दर्शाते हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री वृद्धि निगरानी के प्रति स्वयं की भूमिका की 100 प्रतिशत जानकारी रखती हैं।

निष्कर्ष–

किसी भी देश के बच्चे उस देश की अमुल्य धरोहर हैं। अतः उनके विकास पर किया गया खर्च भविष्य के प्रति निवेश के रूप में कार्य करता हैं। भारत के वर्ष 2017 के बजट का 3. 32% (71305.35 करोड रू0) हिस्सा बच्चों के लिए खर्च किया जाना हैं। जिसमें से सम्पूर्ण विकास के लिए चलायी जा रही समेंकित बाल विकास सेवा योजना पर 15245.19 करोड रू0 वर्ष 2017 में खर्च करने का प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से पहले यह योजना समाज के अधिक गरीब परिवारों तक लक्षित थी । योजना का केन्द्र ग्रामीण था जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए बहुत कम केन्द्र निर्धारित थे। परन्तु सुप्रीम कोर्ट ने योजना की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि यह योजना सबके द्वार तक पहुंचेगी । सबके अर्थात् सबके। सुप्रीम कोर्ट के आदेश सभी बच्चो को सम्मिलित करते हैं चाहे वे दलित हो दूरस्थ क्षेत्रों मे रहने वाले हो आदिवासी हो या कच्ची बसती में रहने वाले बच्चे हो। 30.12.2014 के आंकडों के अनुसार भारत में 13.42 लाख आंगनवाडी केन्द्र संचालित हैं जिसमें से उत्तर प्रदेश में 187997 आंगनवाडी केन्द्र हैं। प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र पर एक आंगनवाडी कार्यकर्त्री तथा एक सहायिका नियुक्त की गयी है। आंगनवाडी कार्यकर्त्री समेंकित बाल विकास सेवा योजना की सेवाओं को लाभार्थियों तक पहुचाने का कार्य करती हैं। जिसके लिये उसको प्रशिक्षित किया जाता है। अतः आंगनवाडी कार्यकर्त्री से यह अपेक्षित हैं कि उसे योजना का पूर्ण ज्ञान हो।

प्रस्तुत शोध अध्ययन समेकित बाल विकास सेवा योजना के अन्तर्गत वृद्धि निगरानी के प्रति आंगवाडी कार्यकर्त्री की जानकारी का आंकलन करने के लिए किया गया हैं। अध्ययन के परिणामों से प्राप्त आंकडों से यह ज्ञात होता हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री बालकों का सही वजन लेने की 94 प्रतिशत जानकारी रखती हैं। वृद्धि निगरानी चार्ट को सही भरने की 97 75 प्रतिशत सही जानकारी रखती हैं साथ ही निष्कर्षों की सही व्याख्या करने की 93.25 प्रतिशत सही जानकारी रखती हैं इसके अलावा लाभार्थी बच्चों की माँ/परिवार के सदस्यों को उचित परार्मश देने की जानकारी 84.4 प्रतिशत है। साथ ही अध्ययन के परिणामों से ज्ञात होता हैं कि आंगवाडीकार्यकर्त्री को वृद्धि निगरानी के प्रति स्वयं की भूमिका की 100 प्रतिशत जानकारी रखती हैं।

अतः प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्राप्त परिणामों से यह ज्ञात होता हैं कि आंगनवाडी कार्यकर्त्री को वृद्धि निगरानी के विषय में पर्याप्त जानकारी हैं जो कि उनके गुणवत्तापूर्ण कार्य प्रशिक्षण का परिणाम हैं। साथ ही वृद्धि निगरानी के जिन बिन्दुओं पर जानकारी की कमी है वह उनकी निरंतर शिक्षा एवं पर्यवेक्षण की कमी का परिणाम हैं अतः प्रस्तुत शोध निरंतर शिक्षा एवं पर्यवेक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालता हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सुची

- *आंगनवाडी कायकर्त्री हेतु कार्य प्रशिक्षण मॉड्यूल एवं संदर्भ पुस्तिका 2, निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार।*
- *Global Hunger Index*

http://en.m.wikipedia.org/wiki/Global_Hunger_index

- *Govt. of India, Integrated Child Development Services Dept. of Women and Child Development, New Delhi: (2013) 'ICDS MISSION-The Broad Framework for Implementation',*

www.gov.ofindiacin

- *Harpalani B.D.: (2006) 'Welfare Programme for Rural Women and Children' Extension Education in Home Science, Sixth Edition,Vinod Pustak Mandir, Star Publication Agra, p. 377.*

- *Press information Bureau, Government of India. Ministry of Women and Child Development.*

www.Pib.nic.in

- *State Nutrition Mission*

www.snmup.in

- *Union Budgrt 2017-18, Deceitful Statement on 'Women and Child Development'*

http://aifawh.org